

चिये के लिये विशेष रूप से उपयोगी है।  
शांश

## खमध्य प्रक्षेप (Zenithal Projections)

मान

वृत्त

।

परन्तु

ओर

मकोण

दक्षिणी

श वृत्तों

क्योंकि

वास्तविक

अपनी

बर होती

ओर को

हैं अतः

से स्पष्ट

के बराबर

वाओं की

वृत्तों के

ग्लोब को किसी एक बिन्दु पर स्पर्श करने वाली समतल सतह पर बनाये गये अक्षांश-देशान्तरों के रेखाजाल को खमध्य प्रक्षेप कहते हैं। प्रकाश के प्रयोग की कल्पना के आधार पर इन प्रक्षेपों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है—  
(i) असंदर्श (non-perspective) खमध्य प्रक्षेप तथा  
(ii) संदर्श (perspective) खमध्य प्रक्षेप। संदर्श प्रक्षेपों को प्रक्षेपण-तल एवं प्रकाश-स्रोत की स्थितियों के आधार पर पुनः तीन-तीन उपवर्गों में विभाजित किया जाता है (अध्याय 8 देखिये)। अध्ययन की सरलता के विचार से विभिन्न प्रकार के खमध्य प्रक्षेपों को निम्नलिखित ढंग से विभाजित किया जा सकता है :

### 1. खमध्य समदूरस्थ प्रक्षेप (zenithal equidistant projection)

- (1) ध्रुवीय दशा अथवा ध्रुवीय खमध्य समदूरस्थ प्रक्षेप,
- (2) विषुवतीय दशा अथवा विषुवतीय खमध्य समदूरस्थ प्रक्षेप,

### 2. खमध्य समक्षेत्र प्रक्षेप (zenithal equal-area projection)

- (3) ध्रुवीय दशा अथवा ध्रुवीय खमध्य समक्षेत्र प्रक्षेप,
- (4) विषुवतीय दशा अथवा विषुवतीय खमध्य समक्षेत्र प्रक्षेप,

### 3. केन्द्रक या नोमॉनिक खमध्य प्रक्षेप (gnomonic projection)

REDDI NOTE 9 PRO MAX  
AI QUAD CAMERA

2021/4/14 10:37

- (5) ध्रुवीय दशा अथवा केन्द्रक या नोमॉनिक ध्रुवीय खमध्य प्रक्षेप,  
 (6) विषुवतीय दशा अथवा केन्द्रक या नोमॉनिक विषुवतीय खमध्य प्रक्षेप,

- (7) तिर्यक् दशा अथवा केन्द्रक या नोमॉनिक तिर्यक् खमध्य प्रक्षेप,

4. त्रिविम खमध्य प्रक्षेप (stereographic zenithal projection)

- (8) ध्रुवीय दशा अथवा त्रिविम ध्रुवीय खमध्य प्रक्षेप,  
 (9) विषुवतीय दशा अथवा त्रिविम विषुवतीय खमध्य प्रक्षेप,  
 (10) तिर्यक् दशा अथवा त्रिविम तिर्यक् खमध्य प्रक्षेप,

5. लम्बकोणीय खमध्य प्रक्षेप (orthographic zenithal projection)

- (11) ध्रुवीय दशा अथवा लम्बकोणीय ध्रुवीय खमध्य प्रक्षेप,  
 (12) विषुवतीय दशा अथवा लम्बकोणीय विषुवतीय खमध्य प्रक्षेप।

